AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

बीए, बीएससी व बीकॉम में अब दो घंटे की परीक्षा

लविवि : परीक्षा समिति की बैठक में फैसला, पांच की जगह होंगे चार प्रश्न

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी जिलों लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के कॉलेजों में स्नातक विषम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षाएं तीन की जगह अब दो घंटे में ही कराई जाएंगी। इसमें बीए, बीएससी और बीकॉम के विद्यार्थी शामिल होंगे। कुलपति प्रो. आलोक राय की मौजूदगी में हुई परीक्षा समिति की बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया।

दो भागों में होगा 75 अंकों का प्रश्नपत्र

लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा समिति की बैठक में बीए, बीएससी, बीकॉम में परीक्षा के लिए अब तीन घंटे की जगह केवल दो घंटे की अवधि सुनिश्चित की गई है। यहीं एलएलबी, बीएड और परास्नातक की परीक्षाएं तीन घंटे में ही कराने पर सहमति बनी।

विधि, बीएड व पीजी में तीन घंटे की ही होगी परीक्षा

परीक्षा अवधि घटाने की जो सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है, वह समर्थ पोर्टल में अव्यवस्थाओं के चलते होने वाली देरी है। पहले शासन और राजभवन से सख्त निर्देश थे कि सर्वाधिक स्तर में परीक्षाएं इसी माध्यम से कराई जाएंगी। लेकिन दिसंबर के पहले सप्ताह तक 1.5 लाख विद्यार्थी पोर्टल पर अपना पंजीकरण ही नहीं कर पाए थे। ऐसे में सत्र पिछड़ता देख राजभवन सचिवालय ने वर्तमान सत्र में पुरानी व्यवस्था से परीक्षाएं कराने की छूट दी। इसके बावजूद काफी देर हो चुकी है। परीक्षाएं समय से शुरू तो हो जाएंगी, समाप्त होने में संशय है। इसी वजह से यह निर्णय लिया गया है।

बेपटरी न हो सत्र, इसलिए घटाया गया समय

परीक्षा के लिए तीन घंटे की अवधि तय थी। इसमें प्रश्नपत्र में 10 प्रश्न दिए जाते थे जिसमें से कोई पांच करने होते थे। विवि में 17 दिसंबर से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। वर्तमान में परीक्षा फॉर्म भरे जाने की प्रक्रिया चल रही है।

अब तक तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि सात दिसंबर तय है। जबकि पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए यह 10 दिसंबर है।

i-NEXT PAGE 3

तीन शिफ्ट में विषम सेमेस्टर एग्जाम

लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

LUCKNOW (5 DEC): अब लखनऊ विश्वविद्यालय यूजी विषम सेमेस्टर-2024 की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित करेगा. गुरुवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन की अकादमिक बैठक में यह निर्णय लिया गया.

दो घंटे का समय

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं दो घंटे की होगी. अभी तक यही परीक्षाएं दो पाली में तीन घंटे की आयोजित की जाती थीं. पीजी, विधि एवं शिक्षा स्नातक (बीएड) की परीक्षाएं पहले की तरह तीन घंटे की ही होगी. इसका समय पूर्व की तरह तीन घंटे यानी सुबह नौ से दोपहर 12 बजे और दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे तक रहेगा. परीक्षा समिति की बैठक में प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी संकाय अध्यक्ष, लूटा और लुआक्टा अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे. यूजी स्तर पर 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे. पहले ग्रुप में दो प्रश्न होंगे, जिसमें से एक करना होगा. उसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे। दूसरे ग्रुप में कुल आठ प्रश्न होंगे.

यूजी परीक्षा का समय

- पहली पाली : सुबह 8:30 से 10:30 बजे
- दूसरी पाली : दोपहर 11:30 से 1:30 बजे
- तीसरी पाली : दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक

● पीजी, बीएड व एलएलबी की परीक्षा प्रणाली में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

परीक्षा फार्म भरने का मौका कल तक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूजी, पीजी व डिप्लोमा आदि की विषम सेमेस्टर दिसंबर-2024 के	नियमित, बैक पेपर, इंप्रूवमेंट व एक्जेम्पटेड परीक्षा के आनलाइन फार्म (बीए, बीएससी, बीकॉम	व बीएड प्रथम सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों को छोड़कर) भरने का मौका सत दिसंबर तक दिया है.

रिसर्च प्रोजेक्ट पर संग होगा काम

लखनऊ विश्वविद्यालय और महिंद्रा विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे रिसर्च वर्क

LUCKNOW (5 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय और महिंद्रा विश्वविद्यालय, पुर्तगाल मिलकर चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे. औषधि अनुसंधान विकास के सहयोग के लिए गुरुवार को दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू हुआ.

आवासीय व्यवस्था की जाएगी

महिंद्रा कॉमेस्ट्री रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. जोआ रोड्रिग्स ने युवा छात्रों एवं शिक्षकों को रसायनशास्त्र की बेसिक रिसर्च में प्रोत्साहन के लिए छात्रों व शिक्षकों को तीन से चार माह तक का अनुसंधान संबंधी प्रशिक्षण के लिए छोटे प्रोजेक्ट करान में सहायता करने के लिए लविवि के सिलिअो फन्डिस में विज्ञान एवं कला के विषयों पर मिलकर काम करने के लिए छात्रों को आमंत्रित किया।

परीक्षा फार्म भरने का मौका कल तक

इनमें विकिरसा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, एकेडमिक पब्लिकेशन, किताबें और रिपोर्ट आदि औषधि	विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखना, छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान एवं एडवांस इन्वयूशन के अवसर	के साथ प्रशिक्षण प्रोग्राम, ग्रीष्म व शीतकालीन इंटर्नशिप का आदान-प्रदान शामिल है, जिसका लाभ स्टूडेंट्स को मिलेगा.

रोड्रिग्स एवं लविवि के इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसिक सइंस के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए.

कई चीजों पर होगा काम

महिंद्रा विश्वविद्यालय, पुर्तगाल में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के तौर पर प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे. इस एमओयू से महिंद्रा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर एवं इंस्टिट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभिन्न गतिविधियों पर कार्य करेंगे.

HINDUSTAN PAGE 1, 7

एलयू में यूजी की परीक्षाएं दो घंटे और तीन पालियों में होंगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परीक्षा समिति ने तय किया है कि सभी स्नातक पाठ्यक्रमों बीए, बीएससी, बीकॉमसी दोन सइंस, बीकॉम की परीक्षा के लिए अब दो घंटे समय मिलेगा। ये परीक्षाएं तीन पाली में कराई जाएंगी। इसके मुताबिक स्नातक परीक्षाएं 8:30 से 10:30बजे, 11:30 से 1:30 और 2:30 से 4:30 बजे तक कराई जाएंगी। कुलपति आलोक राय के मुताबिक परास्नातक, विधि, शिक्षा स्नातक यानी बीएड के प्रश्नपत्र पूर्व की तरह तीन घंटे के रहेंगे। परास्नातक समेत अन्य परीक्षाएं तीन घंटे, दो पाली सुबह नौ से 12 बजे और दोपहर 1:30 से 4:30 तक होंगी। अब चार प्रश्नों के ही देने होंगे जवाब स्नातक में 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे। पहले ग्रुप में 15 अंक के लिए दो प्रश्नों में एक करना होगा। दूसरे ग्रुप में 20-20 अंक के कुल आठ प्रश्न होंगे, जिसमें तीन प्रश्नों को ही हल करना होगा। पहले छात्रों को पांच प्रश्नों के उत्तर लिखने पड़ते थे।

एलयू की टिम इंडिया हैकाथॉन के फाइनल में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की टीम हाइड्रास का चयन स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के ग्रैंड फिनाले में हुआ है। अभियांत्रिकी संकाय से डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि फाइनल टीम में इंटरनल हैकाथॉन में 34 टीमों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्रैंड फिनाले के लिए टीम 11 व 12 दिसंबर को भिलाई, छत्तीसगढ़ में हैकाथॉन में शामिल होगी।

मेडिएरा विवि संग रिसर्च करेगा एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विकिरसा, औषधि अनुसंधान के क्षेत्र में कदम बढ़ा दिए हैं। पुर्तगाल के मेडिएरा विश्वविद्यालय के साथ एमओयू किया है। जिस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, रेक्टर पुर्तगालियों ऑफ मेडिएरा के सिलिअो फन्डिस, मेडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. जोआ रोड्रिग्स और एलयू फार्मेसी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र ने हस्ताक्षर किए।

JAGRAN CITY PAGE III

एक माह में 800 मीटर बढ़ा अबी गामिन के पीछे का ग्लेशियर

● लविवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनीत व उनकी टीम ने किया शोध

जासं ● लखनऊ : केंद्रीय हिमालय में तेजी से बढ़ते हिमनद के रहस्यों का राजफाश करने वाला महत्वपूर्ण अध्ययन सामने आया है। जलवायु परिवर्तन के कारण जहां दुनिया भर में कई ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं। वहीं, भारतीय वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में केंद्रीय हिमालय में अबी गामिन पीक के पीछे तिब्बत की ओर एक ग्लेशियर का पता लगाया है, जो सितंबर 2019 से अक्टूबर 2019 तक एक महीने के अंतराल में लगभग आठ सौ मीटर आगे बढ़ गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनीत कुमार ने वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान देहरादून के विज्ञानी डा. मनीष मेहता, डा. गौतम रावत व पीएचडी छात्र अजय सिंह राणा के साथ किया है।

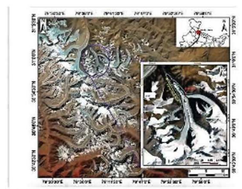

लविवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनीत कुमार और ग्लेशियर उपस्थिति की जगह ● सौजन्य से लविवि

यह शोध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका एनवायरमेंटल साइंस एंड पालुशन रिसर्च, स्प्रिंगर नेचर प्रकाशन में प्रकाशित हुआ है। लविवि के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनीत कुमार पूर्व में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान देहरादून में विज्ञानी-डी के पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुमार वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक-डी के पद पर कार्यरत रहे हैं। डॉ. विनीत कुमार के नेतृत्व में डॉ. मनीष मेहता, डॉ. गौतम रावत और पीएचडी छात्र अजय सिंह राणा ने यह शोध किया है। इसे विश्व की प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका एंवयारमेंट साईंस एंड पोल्यूशन रिसर्च में प्रकाशित किया गया है। डॉ. विनित कुमार ने बताया कि यह हिमनद, जो पहले अज्ञात था। 1993 और 2022 के बीच एक महत्वपूर्ण उछाल ले चुका है।

इन घटनाओं को समझना जरूरी

डा. विनीत ने बताया कि यह खोज हिमालयी ग्लेशियरों की गतिशील प्रकृति और क्षेत्रीय जल संसाधनों पर उनके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालती है। चूंकि जलवायु परिवर्तन इन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों को प्रभावित करना जारी रखता है, इसलिए भविष्य के परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने और संभावित जोखिमों को कम करने के लिए इन घटनाओं को समझना महत्वपूर्ण है। यह भारतीय हिमालय से पहली तरह का काम है जो हिमालय के मध्य भाग से हिमनदों के बढ़ने की रिपोर्ट करता है और इसका विस्तार से अध्ययन किया गया है। यदि इस ग्लेशियर के बढ़ने के कारण कोई खतरनाक झील (बर्फ से बनी) विकसित होती है, तो उसे वैज्ञानिक समुदाय के ध्यान में लाया जा सकता है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

मडिएरा विवि पुर्तगाल और लविवि के बीच एमओयू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मडिएरा विश्वविद्यालय,पुर्तगाल एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य औषधि अनुसंधान विकास के सहयोग के लिए एमओयू हुआ। जिसमें लविवि के कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय,रेक्टर ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ मडिएरा के सिल्विओ फर्नांडिस, मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर के

■ दोनों उच्च शिक्षण संस्थान विभिन्न गतिविधियों पर कार्य करेंगे

निदेशक प्रो.जोआ रोड्रिग्स एवं प्रो.पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान,लविवि ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। मडिएरा विश्वविद्यालय,पुर्तगाल में लविवि के प्रतिनिधि के तौर पर प्रो.पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान उपस्थित रहे। एमओयू से मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर और इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, लविवि विभिन्न गतिविधियों पर कार्य करेंगे। चिकित्सा अनुसंधान के लिए जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, ऐकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकाएं, किताबे और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखना और छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान एवं एडवांस इंक्यूबेशन के अवसर के साथ प्रशिक्षण प्रोग्राम एवं ग्रीष्म, शीतकालीन इंटर्नशिप का आदान-प्रदान। इस अवसर पर प्रो.जोआ रोड्रिग्स, निदेशक, मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर ने युवा छात्रों एवं शिक्षकों को रसायनशास्त्र की बेसिक रिसर्च में प्रोत्साहन के लिए जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, ऐकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकाएं, किताबे और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखना और छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए लविवि के रेजिडेंशियल व्यवस्था करेंगे। रेक्टर ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ मडिएरा के सिल्विओ फर्नांडिस ने इस एमओयू के लिए प्रसन्नता व्यक्त की एवं सिल्विओ फर्नांडिस ने विज्ञानं एवं कला के विषयों पर मिलकर काम करने के लिए छात्रों को आमंत्रित भी किया। दोनों देशो के इस एमओयू के लिए लविवि के कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय ने सभी शिक्षक एवं छात्रों को इस अवसर का भरपूर उपयोग के लिए प्रेरित किया।

तीन पालियों में होंगी यूजी विषम सेमेस्टर परीक्षाएं

छात्रहित के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की आकस्मिक बैठक में लिया गया निर्णय

जासं ● लखनऊ : अब लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक विषम सेमेस्टर-2024 की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित करेगा। गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में हुई परीक्षा समिति की आकस्मिक बैठक में यह निर्णय लिया गया।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में सभी स्नातक पाठ्यक्रमों (बी.ए, बी.एससी, बी.कॉम आदि) के प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं दो घंटे की होंगी। अभी तक यही परीक्षाएं दो पाली में तीन घंटे की आयोजित की जाती थीं। छात्रहित में यह निर्णय लिया गया है। परास्नातक, शिक्षा एवं शिक्षा स्नातक (बी.एड) की परीक्षाएं पहले की तरह तीन घंटे की ही होगी। इसका समय पूर्व की तरह तीन घंटे यानी सुबह नौ से दोपहर 12 बजे और दोपहर 1:30 से शाम 4:30 बजे तक रहेगा। परीक्षा समिति की बैठक में प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी संकाय अध्यक्ष, लूटा और लुआक्टा अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूजी में 75 अंकों का होगा प्रश्न पत्र : स्नातक स्तर पर 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे, जिसमें से एक करना होगा। उसके लिए 15 अंक निर्धारित होंगे। परास्नातक स्तर पर 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे। प्रत्येक ग्रुप में कुल आठ प्रश्न होंगे। इनमें से कोई तीन प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20-20 अंक तय होंगे।

परीक्षा फार्म भरने का मौका कल तक : लवि ने स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा आदि की विषम सेमेस्टर दिसंबर-2024 के नियमित, बैक पेपर, इंप्रूवमेंट व एक्जेम्पटेड परीक्षा के आनलाइन फार्म (बी.ए, बी.एससी, बी.कॉम व बी.एड प्रथम सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों को छोड़कर) भरने का मौका सत दिसंबर तक दिया है। परीक्षाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लविवि ने बताया कि यह भारतीय हिमालय से पहली तरह का काम है जो हिमालय के मध्य भाग से हिमनदों के बढ़ने की रिपोर्ट करता है और इसका विस्तार से अध्ययन किया गया है। लेख के लेखकों ने इस शोध के माध्यम से एक वैज्ञानिक सफलता हासिल की है कि न केवल जलवायु परिवर्तन बल्कि आंतरिक हिमनद गतिशीलता हिमनद के आगे बढ़ने या पीछे हटने का कारण बन सकती है। यह शोध अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग आने वाले वर्षों में इस हिमनद के व्यवहार की निरंतर निगरानी के लिए किया जा सकता है और यदि इस हिमनद के बढ़ने के कारण कोई खतरनाक झील (बर्फ से बनी) विकसित होती है, तो उसे वैज्ञानिक समुदाय के ध्यान में लाया जा सकता है और क्षेत्र में बेहतर विकास की योजना बनाने में मदद करेगा।

लविवि के लिए रणनीतिक महत्व

सत्र 2024-25 के विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के फार्म और शुल्क जमा करने की तिथि को 15 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। परीक्षाओं ईआरपी पोर्टल पर परीक्षा फार्म और शुल्क जमा कर सकते हैं। जबकि योजनाओं के द्वितीय वर्ष के तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा फार्म और परीक्षा शुल्क के लिए समर्थ पोर्टल खोल दिया गया है।

स्नातक परीक्षा का समय

पहली पाली : सुबह 8:30 से 10:30 बजे

दूसरी पाली : दोपहर 11:30 से 1:30 बजे

तीसरी पाली : दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक

पीजी, बीएड व एलएलबी की परीक्षा प्रणाली में कोई बदलाव नहीं किया है।

लवि के खिलाड़ियों ने कराटे में जीते नौ पदक

जासं ● लखनऊ : लवि के खिलाड़ियों ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहे नार्थ ईस्टर जोन इंटर यूनिवर्सिटी कराटे प्रतियोगिता में कुल पदक अपने नाम किए हैं। इनमें आठ रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रोफेसर अजय कुमार आर्य ने दी। उन्होंने बताया कि कराटे में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की वैयिटग-शिप में लवि की पुरुष एवं महिला टीम ने रजत पदक जीता। पुरुष टी टीम में ज्ञानेश कुमार सिंघल, जय भारत दुबे, आशीष सिंह और आकाश सोनकर एवं महिला टीम में प्राची दमी, ज्योति, इशिका गुप्ता और खुशी यादव ने अपने-अपने भार में रजत पदक जीता है। महिला कराटे टीम ने अपने पहले मैच में ही रांची यूनिवर्सिटी, दूसरे मैच में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी और तीसरे मैच में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुष कराटे टीम ने पहले मैच में पंजाब यूनिवर्सिटी, दूसरे में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी और तीसरे मैच में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को हराया। फाइनल मैच में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से हारने पर रजत पदक मिला।

लवि और मडिएरा मिलकर करेंगे शोध

जासं ● लखनऊ : लवि व मडिएरा विश्वविद्यालय, पुर्तगाल मिलकर चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे। औषधि अनुसंधान विकास के सहयोग के लिए गुरुवार को दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू हुआ, जिस पर लवि के कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय, रेक्टर ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ मडिएरा के सिल्विओ फर्नांडिस जी, मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. जोआ रोड्रिग्स एवं लवि के इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसिक साइंस के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने मडिएरा विश्वविद्यालय साथ एमओयू किया ● लवि

मडिएरा विश्वविद्यालय, पुर्तगाल में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के तौर पर प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस एमओयू से मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर एवं इंस्टिट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभिन्न गतिविधियों पर कार्य करेंगे। इनमें विकिरसा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, एकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तकें व किताबें और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखना और छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान एवं एडवांस इंक्यूबेशन के अवसर के साथ प्रशिक्षण प्रोग्राम एवं ग्रीष्म एवं शीतकालीन इंटर्नशिप का आदान-प्रदान होगा। इस अवसर पर प्रो. जोआ रोड्रिग्स, निदेशक, मडिएरा केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर ने युवा छात्रों एवं शिक्षकों को रसायनशास्त्र की बेसिक रिसर्च में प्रोत्साहन के लिए छात्रों एवं शिक्षकों को तीन से चार माह तक का अनुसंधान संबंधी प्रशिक्षण के लिए छोटे प्रोजेक्ट करान में सहायता करने के लिए लविवि के सिलिअो फन्डिस में विज्ञान व कला के विषयों पर मिलकर काम करने के लिए छात्रों को आमंत्रित किया।

टीम 'हाइड्रास' का चयन

जासं ●लखनऊ : लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की टीम 'हाइड्रास' का चयन स्मार्ट इंडिया हैकाथान 2024 के ग्रैंड फिनाले में हुआ है। संकाय से डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले चरण में प्रस्तावित इंटरनल हैकाथान में टीम हाइड्रास ने 34 टीमों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर दूसरे चरण के लिए चयनित हुई। इस चरण में पूरे भारत से 300 टीमों ने प्रोटोटाइप माडल, रिकार्ड वीडियो और पीपीटी प्रजेंटेशन से आइडिया प्रस्तुत किया। इसमें चयनित पांच टीमों में लवि की टीम हाइड्रास को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ग्रैंड फिनाले के लिए टीम 11-12 दिसंबर को भिलाई, छत्तीसगढ़ में होने वाले हैकाथान में शामिल होगी।

लविवि सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रश्नपत्र का समय घटा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में परीक्षा समिति की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई। परीक्षा समिति की इस आकस्मिक बैठक में विषम सेमेस्टर 2024 की परीक्षाएं कराये जाने के लिए कई फैसले लिए गए।

■ अब तीन नहीं दो घंटे का होगा प्रत्येक पेपर

सभी स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें बीए, बीएससी, बीएससी होम सांइस, बीकाम आदि के प्रश्नपत्रों को 2 घंटे का कर दिया जाय। पहले यही परीक्षाएं दो पाली में तीन घंटे की आयोजित की जाती थीं। वहीं, परास्नातक, विधि एवं शिक्षा स्नातक (बीएड) के प्रश्नपत्र पूर्व की भांति 3 घंटे के ही रहेंगे। स्नातक स्तर पर 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे, जिसमें से एक करना होगा जोकि 15 अंक का होगा। जबकि दूसरे ग्रुप में कुल 8 प्रश्न होंगे जिसमें से कोई पांच प्रश्न हल करने होंगे, जोकि 20-20 अंक के होंगे। स्नातक की परीक्षाएं 8:30 से 10:30, 11:30 से 1:30 एवं 2:30 से 4:30 की समयावधि में सम्पन्न करायी जाएगी। परास्नातक एवं अन्य की परीक्षाएं पूर्व की भांति 3 घंटे की प्रातः 9:00 से 12:00 तक एवं अपराह्न 1:30 से 4:30 तक सम्पन्न करायी जाएगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

अब दो घंटे में होगी सेमेस्टर परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में परीक्षा समिति की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई। परीक्षा समिति की इस आकस्मिक बैठक में विषम सेमेस्टर 2024 की परीक्षाएं कराये जाने के लिए कई फैसले लिए गए। खातक, स्तर पर 75 अंकों के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में दो ग्रुप होंगे, पहले ग्रुप में दो प्रश्न होंगे, जिसमें से एक करना होगा जोकि 15 अंक का होगा। जबकि दूसरे ग्रुप में कुल 8 प्रश्न होंगे जिसमें से कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे, जोकि 20-20 अंक के होंगे। खातक की परीक्षाएं 8:30 से 10:30, 11:30 से 1:30 एवं 2:30 से 4:30 बजे की समयावधि में सम्पन्न करायी जाएगी। परास्नातक एवं अन्य की परीक्षाएं पूर्व की भांति 3 घंटे की प्रातः 9 से 12 बजे तक एवं अपराह्न 1:30 से 4:30 तक सम्पन्न करायी जाएगी।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के ग्रैंड फिनाले में लविवि की टीम हाइड्रास का चयन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की टीम हाइड्रास का चयन स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के ग्रैंड फिनाले में हुआ है। अभियांत्रिकी संकाय से डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले चरण में प्रस्तावित इंटर्नल हैकाथॉन में टीम हाइड्रास ने 34 टीमों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर दूसरे चरण के लिए चयनित हुई।

दूसरे चरण में, स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024 द्वारा प्रस्तावित प्रॉब्लम स्टेटमेंट ऑनलाइन रिवल-टाइम सर्वेलेंस मॉनिटरिंग ऑफ वॉटर बॉडीज इन दिल्ली के लिए पूरे भारत से 300 टीमों ने प्रोटोटाइप मॉडल, रिकॉर्ड वीडियो और पीपीटी प्रजेंटेशन द्वारा आईडिया प्रेजेंट किया, जिसमें चयनित 5 टीमों में लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम हाइड्रास को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ग्रैंड फिनाले के लिए टीम 11- 12 दिसंबर को भिलाई, छत्तीसगढ़ में होने वाले हैकाथान में शामिल होगी।

केंद्रीय हिमालय में तेजी से बढ़ते हिमनद का पता लगा

● हिमनद के रहस्यों का खुलासा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केंद्रीय हिमालय में एक तेजी से बढ़ते हिमनद के रहस्यों का खुलासा करने वाला एक अभूतपूर्व अध्ययन सामने आया है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में कई हिमनद पीछे हट रहे हैं। हालांकि, वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में केंद्रीय हिमालय में एक तेजी से बढ़ते हिमनद का पता लगाया है। यह अध्ययन क्षेत्र अक्षांश एन.30.985 और देशांतर ई 79.642 के बीच स्थित है, जो भारत और तिब्बत के बीच वास्तविक नियंत्रण (एलएसी) रेखा के पास 48 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करता है। यह अनाम ग्लेशियर, रायकाना ग्लेशियर, नीती घाटी, उत्तराखंड से लगभग 1 किमी उत्तर में स्थित है।

इस शोध का नेतृत्व डॉ. विनीत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, भूविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय (जोकि वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान (डब्ल्यूआईएचजी) के पूर्व एचडी छात्र अजय सिंह राणा (डब्ल्यूआईएचजी) और डॉ. गौतम रावत (वैज्ञानिक-ई, डब्ल्यूआईएचजी) के सहयोग से किया गया है। लेख के लेखकों ने इस शोध के माध्यम से एक वैज्ञानिक सफलता हासिल की है कि न केवल जलवायु परिवर्तन बल्कि आंतरिक हिमनद गतिशीलता हिमनद के आगे बढ़ने या पीछे हटने का कारण बन सकती है। यह शोध अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग आने वाले वर्षों में इस हिमनद के व्यवहार की निरंतर निगरानी के लिए किया जा सकता है और यदि इस हिमनद के बढ़ने के कारण कोई खतरनाक झील (बर्फ से बनी) विकसित होती है, तो उसे वैज्ञानिक समुदाय के ध्यान में लाया जा सकता है और क्षेत्र में बेहतर विकास की योजना बनाने में मदद करेगा।

एंड पोल्यूशन रिसर्च स्प्रिंगर नेचर, पब्लिकेशन में प्रकाशित हुआ है। डॉ. विनित कुमार ने बताया कि यह हिमनद, जो पहले अज्ञात था, ने 1993 और 2022 के बीच एक महत्वपूर्ण उछाल का अनुभव किया। यह खोज हिमालयी हिमनदों की गतिशील प्रकृति और क्षेत्रीय जल संसाधनों पर उनके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालती है। उपग्रह इमेजरी द्वारा कैप्चर की गई यह अविश्वसनीय घटना, हिमालयी हिमनदों के जटिल व्यवहार के बारे में महत्वपूर्ण सुराग प्रदान करती है। चूंकि जलवायु परिवर्तन इन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों को प्रभावित करना जारी रखता है इसलिए भविष्य के परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने और संभाव